

भ्रमाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3---उपखण्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राथिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 81]

नई बिरुत्रो, मंगलवार, मई 4, 1971/वैशाल 14, 1893

No. 81]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY-4, 1971/VAISAKHA 14, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संस्था को जाती है जितसे कि यह ग्रासग संकलन के रूप में एका जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th May 1971

G.S.E. 686.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 637, read with sub-section (1) of section 10E of the Companies Act. 1956 (1 of 1956), and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Finance. (Department of Company Affairs and Insurance No. G.S.R. 72, dated the 1st January, 1963 (as subsequently amended), the Central Government hereby delegates to the Company Law Board the powers and functions of the Central Government under the said Act other than those under the following provisions of the said Act, namely:—

Second proviso to section 1

Sub-section (4A) of section 10E

Sub-sections (4), (5) and (6) of section 81

Sub-section (4) of section 198

Section 259

Section 268

Section 269

Sub-section (2) of section 274

Sub-sections (1), (3), (4) and (5B) of section 309

Section 310

Section 311

Sub-section (4) of section 316

Section 372

Sub-section (2) of section 385

Sub-section (4) of section 386

Section 387

Section 338

Section 388B

Section 388C

Sub-section (1), (3), and (5) of section 388E

Section 410

Sub-section (1) of section 619A

Section 620

Section 620A

Section 620B

Seltion 620C

Clause (b) of sub-section (1) of section 637

Section 638.

[No. F. 2/11/71-CL.V.] C. C. GANAPATHY, Jt. Secy-

कम्पनी कार्यविभाग

ग्रधिसूचना

नई दिस्ली, 4 मई, 1971

सा० का० नि० 686.—कम्पनी अधिनियम, 1956(1956 का 1) की धारा 10 ड को उपधारा (1) के साथ पठित धारा 637 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व वित्त मंत्रालय (कम्पनी कार्य और बीमा विभाग) की अधिमुचना संख्या सा० का० नि० 72, तारीख 1-1-1966 (तत्पश्चत् यभा-संगोधित) को अधिमांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के अधीन की केन्द्रीय सरकार की उन अविन्यों और कृत्यों को जो उक्त अधिनियम के अधीन की केन्द्रीय सरकार की उन अविन्यों और कृत्यों को जो उक्त अधिनियम के निम्नलिखित उपवंधों के अधीन की णिवन्द्रीय ग्रीर कृत्यों से भिन्न हीं कम्पनी लाँ बोर्ड को एतन्द्रारा प्रत्यायोजित करती है, अर्था:---

धारा । का द्वितीय परन्तुक[्]

धारा 10 इ की उन्धारा (4क)

धारा 81 की उपधारा (4), (5) और (6)

धारा 198 की उपधारा (4)

धारा 259

धारा 268

धारा 269

धारा 274 की उपधारा (2)

```
धारा 309 की उपधारा (2), (3), (4) श्रीर (5व)
धारा 310
धारा 311
घारा 316 की उपधारा (4)
धारा 372
धारा 385 की उपधारा (2)
धारा 386 की उपधारा (4)
धारा 387
धारा 388
धारा 388 ख
घारा 388ग
धारा 388 इ. की उनधारा (1), (3) और (5)
घारा 410
धारा 619क की उपधारा (1)
धारा 620
धारा 620क
धारा 620ख
धारा 620ग
धारा 637 की उपधारा (1) का खण्ड (ख)
धारा ६३८
```

[स॰ फा॰ 2/11/71—सी॰ एल॰ घो] सी॰ सी॰ गणपति, संयुक्त सचिव।

